



धमाका डिस्कॉन्ट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 99,735	Silver 97,000	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

अयोध्या राम मंदिर पर फहराई धर्मध्वजा, मोदी भावुक हुए, बोले- अब मानसिक गुलामी से मुक्ति का लक्ष्य, इसने राम को भी काल्पनिक बता दिया

नई दिल्ली । अयोध्या का राम मंदिर आज संपूर्ण हो गया। प्राण प्रतिष्ठा के 673 दिनों बाद PM मोदी और RSS प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। सुबह 11.50 बजे अभिजीत मुहूर्त में बटन दबाते ही 2 किलो की केसरिया ध्वजा 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहरने लगी। PM भावविभोर हो गए। उन्होंने धर्मध्वजा को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। पीएम ने कहा आज सदियों के घाव भर गए हैं। हम देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करके रहेंगे। इसी मानसिकता ने वर्षों तक भगवान राम को काल्पनिक बताया। ध्वजारोहण से पहले PM मोदी ने मोहन भागवत के साथ मंदिर की पहली मंजिल पर बने



रामदरबार में पूजा और आरती की। इसके बाद रामलला के दर्शन किए। PM रामलला के लिए वस्त्र और चंवर लेकर पहुंचे थे। PM ने साकेत कॉलेज से रामजन्मभूमि

तक डेढ़ किमी लंबा रोड शो भी किया। इस दौरान स्कूली छात्रों ने काफिले पर फूल बरसाए और जगह-जगह महिलाओं ने उनका स्वागत किया। पहले चर्चा

थी कि ध्वजारोहण समारोह के लिए अमिताभ बच्चन समेत कई सेलिब्रिटीज को न्योता भेजा गया है, लेकिन कोई नहीं पहुंचा। चारों शंकराचार्यों को छोड़कर देशभर के मठों के संत मंदिर परिसर में मौजूद रहे। शहर को 1000 किंवदंतल फूलों से सजाया गया। मंदिर में 5-लेयर सुरक्षा रही। ATS, NSG, SPG, CRPF और PAC के जवान तैनात रहे। रामलला ने आज सोने और रेशम के धागों से बने पीतांबर वस्त्र धारण किए। सदियों के घाव भर रहे हैं, सदियों की वेदना आज विराम पा रही है। सदियों से आस्था डिगी नहीं, एक पल भी विश्वास टूटा नहीं। धर्म ध्वजा केवल ध्वजा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का प्रतीक है। आने

वाले सदियों तक यह ध्वज प्रभु राम के आदर्शों का उद्घोष करेगा। यह ध्वज प्रेरणा देगा कि प्राण जाए पर वचन न जाए। अयोध्या वह भूमि है, जहां आदर्श आचरण में बदलते हैं। यह वही भूमि है, जहां राम ने जीवन शुरू किया। इसी धरती ने बताया कि एक व्यक्ति अपने समाज की शक्ति से कैसे मर्यादा पुरुषोत्तम बनाता है। जब भगवान यहां से गए तो युवराज राम थे, लौटे तो मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर लौटे। हर कालखंड में राम के विचार ही हमारी प्रेरणा बने हैं। विकसित भारत की यात्रा को गति देने के लिए ऐसा रथ चाहिए, जिसके पहिये शौर्य और धैर्य हों। ऐसा रथ जिसकी ध्वजा नीति-नीयत से समझौता न करे। ऐसा रथ जिसके घोड़े बल, विवेक, संयम और परोपकार हों। आज से 190 साल पहले 1835 में लॉर्ड मैकाले ने मानसिक गुलामी की नींव रखी थी। 2035 में उस अपवित्र घटना को 200 साल पूरे हो रहे हैं। हमें आने वाले 10 सालों में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करना है। मैकाले ने जो सोचा था, उसका प्रभाव व्यापक हुआ। हमें विकार आ गया कि विदेशी चीज अच्छी है, हमारी चीज में खोत है। हर कोने में गुलामी की मानसिकता ने डेरा डाला है।

मोहन कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय... शहीद के भाई को सब इंस्पेक्टर बनाएं, नपा अध्यक्ष का सीधे जनता से चुनाव कराने का विधेयक मंजूर

भोपाल । मोहन कैबिनेट ने एक दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में रखे जाने वाले करीब 9 हजार करोड़ रुपए के अनुपूरक बजट और विधेयकों को मंजूरी दी है। जिन विधेयकों को मंजूरी दी गई है, उसमें प्रदेश में नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराए जाने संबंधी विधेयक भी शामिल हैं। इसके साथ ही बालाघाट हॉक फोर्स के निरीक्षक आशीष शर्मा के भाई को सब इंस्पेक्टर पद पर नियुक्ति देने और परिजनों को एक करोड़ रुपए की विशेष अनुग्रह राशि देने को भी मंजूरी दी गई है। नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्ग्य ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस-नक्सल मुठभेड़ में 19 नवंबर को वीरगति को प्राप्त हुए निरीक्षक (विशेष सशस्त्र बल) आशीष शर्मा, हॉक फोर्स बालाघाट के परिजन को 1 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता की स्वीकृति दी गई है। साथ ही उनके छोटे भाई अंकित शर्मा को जिला पुलिस बल में उप निरीक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किए जाने का निर्णय



लिया गया है। नगरीय निकायों के निर्वाचन संबंधी विधेयक को मंजूरी - कैबिनेट ने प्रदेश में नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराए जाने संबंधी विधेयक को विधानसभा में प्रस्तुत किए जाने की स्वीकृति दी है। प्रदेश में वर्ष 1999 से 2014 तक नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराए जाते रहे हैं। वर्ष 2022 में नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव अप्रत्यक्ष प्रणाली से वाडों के निर्वाचित पार्षदों के द्वारा कराए गए। महापौर का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराया जा रहा है।

विधि सलाहकार नियुक्त करने पर चर्चा - कैबिनेट में आज सामान्य प्रशासन विभाग के प्रस्ताव पर लोकायुक्त संगठन में सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय चंद्रदेव शर्मा और सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरि शरण यादव को लोकायुक्त संगठन में विधि सलाहकार के पद पर संविदा नियुक्त अवधि बढ़ाए जाने के मामले में फैसला किया गया। एवं सत्र न्यायाधीश संतोष प्रसाद शुक्ला तथा सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराया जा रहा है।

डंपर की चपेट में आने से युवक की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने रोड जाम कर की तोड़फोड़

नीमच । जिले के सिंगोली रोड दड़ौली के समीप मंगलवार सुबह करीब 9 बजे एक डंपर की चपेट में आने से 42 वर्षीय युवक कारू लाल भील की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब निर्माण कार्य में लगा डंपर रिवर्स ले रहा था। घटना के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मुक्त दड़ौली पंचायत के ग्राम आंवा का निवासी था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निर्माणधीन मार्ग पर अवैध खनन से जुड़े वाहनों का लगातार संचालन हो रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि डंपरों को लापरवाहीपूर्वक तेज रफ्तार में चलाया जा रहा था और सुरक्षा के किसी भी नियम का पालन नहीं किया जा रहा था। यह डंपर निर्माणधीन नीमच-सिंगोली मार्ग की निर्माणकर्ता कंपनी सांवरिया



कंस्ट्रक्शन उदयपुर का था। ग्रामीणों ने की तोड़फोड़ - इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने नीमच-सिंगोली रोड को जाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर खड़े डंपर और अन्य वाहनों

में तोड़फोड़ भी की। उनका आरोप है कि अवैध खनन और डंपरों की बेकाबू आवाजाही क्षेत्र में लगातार हादसों का कारण बन रही है। ग्रामीणों की मुख्य मांगें हैं कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए, अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए और डंपर चालक व वाहन मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जाम की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर डंपर चालक की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

GSTIN-23BISPG9839G1ZS
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

मदन माली 9669999779

राजमल गायरी 9926640630

श्रीदेव वेल्डिंग वर्क्स

स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव, जिला-नीमच

madan mali 9669999779

rajmal gayri 9926640630

SHREE DEV ENTERPRISES

GSTIN-23AHDPL6502G1ZS
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

Station Road, Near Church, Nayagaon-Neemuch

देश के 53वें CJI बने जस्टिस सूर्यकांत शपथ के बाद भाई-बहन के पैर छुए, पूर्व CJI गवई से गले मिले, मोदी-शाह से मिलने पहुंचे

नई दिल्ली 24 नवम्बर (एजेंसी) । जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश (CJI) के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद बहन और बड़े भाई के पैर छुए। इस कार्यक्रम में उनके परिवार के लोग भी शामिल हुए। शपथ के बाद CJI सूर्यकांत ने PM मोदी समेत अन्य लोगों से मुलाकात की। वे पूर्व CJI बीआर गवई से गले मिले। इस समारोह में बाजील समेत सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राष्ट्रपति भवन पहुंचे। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में पहली बार किसी CJI के शपथ ग्रहण में इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी रही। समारोह में भूटान,

केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्य भी पहुंचे। इस दौरान पूर्व CJI गवई ने एक नई मिसाल कायम की। शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने अपनी आधिकारिक गाड़ी राष्ट्रपति भवन में ही अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के लिए छोड़ दी। वर्तमान CJI बीआर गवई का कार्यकाल रविवार 23 नवंबर को खत्म हो गया। उनके बाद अब जस्टिस सूर्यकांत यह जिम्मेदारी संभालेंगे। जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे और उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा। CJI सूर्यकांत ने बेंच जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस अतुल एस चंद्रकर के साथ कोर्ट रूम नंबर 1 में आधिकारिक कार्यवाही शुरू की। जस्टिस सूर्यकांत अब पांच मंबर वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के हेड भी होंगे।

सकराना घाटी में वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

नीमच । महु-नसीराबाद हाईवे पर सकराना घाटी के समीप सोमवार रात एक सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में एक बाइक सवार अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला चिकित्सालय में एडमिट कराया गया है। जिला चिकित्सालय के अनुसार, घायल युवक की पहचान मुकेश पिता बगदी राम (38) के रूप में हुई है। वह गायरी जाति का है और लसूडिया, थाना रामपुरा का निवासी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मुकेश अपनी बाइक

से निबाहेड़ा की ओर से नीमच की ओर जा रहा था। सकराना घाटी के समीप पहुंचते ही वह अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया और सड़क हादसे का शिकार हो गया। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने तत्काल नयागांव टोल एंबुलेंस को सूचना दी। नयागांव टोल की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल मुकेश गायरी को नीमच जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि घायल मुकेश गायरी ने शराब का सेवन भी कर रखा था।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष भेरूलाल किलोरिया पंचतत्व में विलीन, 73 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

नीमच। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिलाध्यक्ष भेरूलाल किलोरिया (भेरू दादा) का सोमवार दोपहर को दोपहर में निधन हो गया। वे 73 वर्ष के थे और पिछले तीन वर्षों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनकी शव यात्रा आज मंगलवार, प्रातः 11 बजे खेड़ी मोहल्ला, पीपली चौक, नीमच सिटी स्थित उनके निवास से निकलेगी। शव यात्रा मनासा रोड, चंबल कॉलोनी के आगे स्थित मुक्तिथाम ले जाई जाएगी। किलोरिया धाकड़ समाज के भी वरिष्ठ सदस्य थे। उन्होंने नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष और कृषि उपज मंडी के पूर्व डायरेक्टर के रूप में भी सेवाएं दी थीं। वे रामेश्वरलाल और जगदीश चंद्र के छोटे भाई थे, तथा सुरेश पटेल, राधेश्याम और दिनेश (बंदू पटेल) के बड़े भाई थे। राकेश किलोरिया (पार्षद) और प्रकाश उनके पुत्र हैं। भेरूलाल किलोरिया भारतीय जनता पार्टी के एक प्रभावशाली नेता माने जाते थे और धाकड़ समाज



में भी उनका विशेष प्रभुत्व था। उन्होंने नीमच नगर पालिका में तीन बार पार्षद के रूप में कार्य किया। रघुराज सिंह चोरडिया के अध्यक्ष कार्यकाल में उपाध्यक्ष रहते हुए, उन्हें 10 दिन के लिए अध्यक्ष का प्रभार मिला था। इस दौरान उन्होंने पक्वारा चौक, नीमच सिटी तक सड़क निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण कार्य कराए, जिनकी सराहना आज भी शहर के नागरिक करते हैं। उनका राजनीतिक सफर 1983 में पार्षद बनने के साथ शुरू हुआ था। इसके बाद उन्होंने अविभाजित नीमच-मंदसौर जिले में नीमच नगर के युवा मोर्चा अध्यक्ष, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष, किसान मोर्चा नगर अध्यक्ष, मंदसौर जिला कार्य समिति सदस्य जैसे कई पदों पर कार्य किया। वे नीमच जिले के प्रथम भाजपा जिला महामंत्री भी रहे। बाद में उन्होंने नीमच भाजपा जिला अध्यक्ष, कृषि मंडी नीमच के डायरेक्टर और धाकड़ समाज के नीमच जिला अध्यक्ष का पदभार भी संभाला।

जमुनियाकला में धानुका सोया प्लांट विवाद तेज.....



नीमच । मध्यप्रदेश के नीमच जिले के जमुनियाकला गांव में स्थित धानुका सोया प्लांट पर एक बार फिर पर्यावरणीय मानकों के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों और किसानों ने प्लांट पर जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ZLD) सिस्टम की अवहेलना करने और खुले में रासायनिक युक्त पानी बहाने का आरोप लगाया है, जिससे फसल, मिट्टी और भूजल को नुकसान पहुंचने की बात कही जा रही है। शिकायतें बढ़ने के बाद मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPPCB) के उज्जैन क्षेत्रीय

कार्यालय से तीन सदस्यीय टीम द्वारा गत दिनों मौके पर पहुंची। जांच टीम ने प्लांट परिसर और आसपास के क्षेत्रों से पानी के सैंपल लिए, खेतों का निरीक्षण किया और संपूर्ण घटनाक्रम का पंचनामा तैयार किया। अधिकारियों का कहना है कि वैज्ञानिक परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि वे कई महीनों से शिकायतें कर रहे थे, लेकिन अब पहली बार उच्च स्तरीय जांच शुरू हुई है। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि इस बार स्थिति सुधरेगी और पर्यावरण व कृषि दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

खबरों के लगने के बाद जागी किसानों और क्षेत्रवासियों की आस

जहां मालवा फर्स्ट समाचार व अन्य मीडिया माध्यमों में तथ्यात्मक खबरों के प्रकाशन के बाद पॉल्युशन नियंत्रण बोर्ड के जांच टीम पहुंचने के बाद अब नीमच के धानुका ग्रुप से परेशान किसान और क्षेत्रवासियों की आस बढ़ी है। उन्हें फैक्ट्री पर कार्यवाही की उम्मीद जागी है। धानुका के जमुनियाकला स्थित प्लांट के विरोध में जहां गांव के लोगों द्वारा निरंतर किया जा रहा है, वहीं अब धानुका बायोटेक के प्लांट से परेशान अन्य गांवों के लोग भी लामबंद होने लगे हैं। लगातार बढ़ते प्रदूषण और केमिकल वाले पानी की समस्या से आस पास के कई गांव प्रभावित हो रहे हैं। अब प्रभावित क्षेत्रों के लोगों द्वारा प्रशासन को भी लिखित शिकायत फिर से करने की तैयारी की जा रही।



विधायक परिहार बोले : किसानों का नुकसान बर्दाश्त नहीं

उधर, मामला बढ़ने पर राजनीतिक स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देना सरकार की नीति है, लेकिन किसी भी उद्योग द्वारा किसानों को नुकसान पहुंचाना किसी भी सूत्र में स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोषी पाए जाने वालों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।



बिहार विधानसभा चुनाव दे रहे हैं कुछ संकेत



2025 को की गई थी एवं केवल एक माह के अंदर इस योजना को लागू कर दिया गया तथा राज्य की महिलाओं के बैंक खातों में राशि हस्तांतरित कर दी गई। हालाँकि, राज्य में लागू की गई इस योजना को महिला सशक्तिकरण की सबसे बड़ी पहल के रूप में देखा गया क्योंकि राज्य सरकार द्वारा इस योजना को लागू करने का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित करना था। ऐसा बताया गया है कि राज्य की कुछ महिलाओं ने इस राशि से अपनी छोटी छोटी उत्पादन इकाईयों को प्रारम्भ करने में सफलता पाई है। राज्य के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि बिहार सरकार उन महिलाओं को रुपए 2 लाख तक की सहायता राशि उपलब्ध कराएगी जिनका व्यवसाय सफल रहेगा, इस छोटे निवेश से पूरा परिवार लाभान्वित होगा। बिहार राज्य में लगभग 1.40 करोड़ जीविका दीर्घाया स्व सहायता समूहों के माध्यम से सक्रिय हैं। आज देश के सबसे बड़े राज्यों में बिहार राज्य में गरीब वर्ग के नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है एवं बिहार राज्य के नागरिक रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से सबसे अधिक पलायन करते हुए दिखाई देते हैं। पूर्व में उत्तर प्रदेश राज्य की भी लगभग यही स्थिति थी, परंतु, हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य में रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित हुए हैं जिससे इस राज्य में नागरिकों का रोजगार के लिए पलायन रुका है। यदि बिहार राज्य भी अपने नागरिकों का पलायन रोकने में सफल रहता है एवं अपने राज्य के नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में रोजगार के नए अवसर

निर्मित करने में सफलता प्राप्त करता है तो यह देश के आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक होगा। परंतु, लाख टके का प्रश्न यह है कि क्या बिहार सरकार की आर्थिक स्थिति उक्त प्रकार की योजनाओं को चलाने की स्थिति में है? इसी प्रकार, मध्य प्रदेश राज्य भी लाइली बहिन योजना को लागू कर चुका है एवं इसी तर्ज पर हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, आदि राज्यों में भी नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाएं प्रारम्भ की गई हैं। तमिलनाडु में तो मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराने का पुराना इतिहास रहा है। कुछ राज्यों में तो टीवी, लैपटॉप, स्कूटी, साइकल, आदि जैसे महंगे उत्पाद भी चुनावों के समस्त राज्य के नागरिकों को मुफ्त में उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। विभिन्न राज्यों द्वारा यदि चुनाव जीतने के लिए राज्य के नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने का क्रम यदि जारी रहता है तो यह प्रचलन इन राज्यों एवं देश के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आज सब्सिडी, वेतन, पेंशन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-

23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रही हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही ढूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं। अब यदि चुनाव जीतने के लिए विभिन्न राज्य सरकारें क्या इसी तरह की योजनाओं को लागू करती रहेंगी। यदि हां, तो इन राज्यों को अपने दिवालिया होने के लिए बहुत लम्बा इन्तजार नहीं करना होगा। क्योंकि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विशेष रूप से पंजाब, केरल, पश्चिमी बंगाल, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। यदि समय पर इन राज्यों के आर्थिक ढांचे को सुधारने के प्रयास नहीं किया गए तो यह राज्य दिवालिया होने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हालाँकि, समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा सहायता की राशि उपलब्ध कराकर कई राज्यों की वित्तीय कठिनाईयों को हल करने का प्रयास किया जाता है परंतु, केंद्र सरकार भी लम्बे समय तक यह कार्य नहीं कर सकती है क्योंकि अंततः इससे केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी दबाव बनता है। विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगाने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा आगे बढ़कर इस सम्बंध में कुछ नियम जरूर बनाए जाने चाहिए। यदि इन राज्यों की वित्तीय स्थिति लोक लुभावन घोषणाओं को पूरा करने की नहीं है तो, इस प्रकार की घोषणाएं चिन्हित राज्यों द्वारा नहीं की जानी चाहिए, ऐसे नियम बनाए जाने चाहिए। सहायता की राशि केवल चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रदान की जानी चाहिए। न कि राज्य की पूरी जनता को उपलब्ध करायी जाय। जैसा कि बिजली माफ़ी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। राज्य के समस्त परिवारों को 300/400 यूनिट बिजली मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने के प्रयास हो रहे हैं। यदि राज्य की आर्थिक हालत बिगड़ रही है तो इसका खामियाजा भी अंततः उस प्रदेश की जनता को ही भुगतान पड़ता है। यह राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आदि मदों पर होने वाले खर्च में कटौती करते हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास एवं भविष्य में आने वाली पीढ़ी के लिए ठीक नहीं है। राज्य में आर्थिक विकास की गति कम होने से इन राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं।

संपादकीय

इस बार भी नीतीश सरकार

पटना (बिहार) का 'गांधी मैदान' एक बार फिर ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी बना। राज्य में भाजपा-एनडीए सरकार ने शपथ ग्रहण की। नीतीश कुमार लगातार 10वाँ बार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 7वीं, 8वीं, 9वीं बार मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीते 19 साल 2 माह से मुख्यमंत्री पद पर हैं। भाजपा के सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा की उपमुख्यमंत्री पद पर यथावत रखा गया है। कमोबेश यह दलबदल और अनिश्चित राजनीति के दौर का कीर्तिमान है। नई विधानसभा में भाजपा 89 सीटों के साथ जनता दल-यू के 85 विधायकों से आगे है। फिलहाल भाजपा के 14, जद-यू के 8, लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के 2 और हम-राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 1-1 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की है। भाजपा के 9 नए चेहरे मंत्री बनाए गए हैं। कुल 243 विधायकों में से 202 भाजपा-एनडीए के जीते हैं। जिस विपक्ष ने नीतीश कुमार की उम्र और उनके मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर भद्दी टिप्पणियाँ की थीं, उनमें राजद 25 सीट पर ही सिमट चुका है और कथित राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के हिस्से मात्र 6 सीट आई हैं। दरअसल इस बार भाजपा-एनडीए का जनादेश चुनौतीहीन है। नीतीश कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में देश के प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा, एक दर्जन मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे। यह एनडीए का शक्ति-प्रदर्शन भी था और जनादेश की व्यापकता भी थी कि देश के 60 फीसदी से अधिक इलाके पर भाजपा-एनडीए का शासन है। अब भाजपा के विधायकों की कुल संख्या 1654 और एनडीए के विधायकों का आंकड़ा 2300 से अधिक है। जश्न, उल्लास और उत्साह वाकई चरम पर था। बेशक यह भाजपा-एनडीए की लोकतांत्रिक स्वीकार्यता भी है। बहरहाल नीतीश सरकार के बनते ही बिहार में चुनाव का दौर सम्पन्न हो गया, लेकिन सरकार के सामने वायदों की चुनौतियाँ असंख्य हैं। जिम्मेदारियाँ हिमालय-सी हैं। बिहार सरकार को यथाशीघ्र 28, 000 करोड़ रुपए की दरकार है, ताकि वायदों को निभाने की शुरुआत की जा सके। 'जनसुराज पार्टी' के संस्थापक प्रशांत किशोर, बेशक, चुनाव हार गए, हिस्से में 'बड़ा शून्य' आया, लेकिन उनके आरोप बेहद अहम हैं कि भाजपा-एनडीए ने 29, 000 करोड़ रुपए महिलाओं में बाँटे और इस तरह उनके वोट खरीदे गए। इस बार बिहार में 71.78 फीसदी महिलाओं ने वोट दिए और पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने 4 लाख से अधिक वोट डाले। यही भाजपा-एनडीए जनादेश की बुनियाद साबित हुई। प्रशांत का आरोप यह भी है कि नीतीश कुमार ने 40, 000 करोड़ रुपए के वायदे भी किए हैं। उनमें महिलाओं को 2-2 लाख रुपए मुहैया कराने का भी वायदा है।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यक् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहाँ समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरु की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है। कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती थी। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरु के पास जाकर बोला, गुरुदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चर-सा चलता है। गुरु ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएँ तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएँ। तो उनसे माँगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन माँगना शुरू किया। पाँच-दस दिन में भीड़ बिकुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वायदों को निभाने की शुरुआत हो गई। 'जनसुराज पार्टी' तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

स्व. हरीश आंजना की 16 वीं पुण्य स्मृति पर विशाल रक्तदान शिविर सम्पन्न

670 यूनिट रक्तदान, युवाओं का अभूतपूर्व उत्साह, मानव सेवा को समर्पित आयोजन



नीमच। छोटीसादड़ी, 22 नवम्बर, 2025 स्व. हरीश आंजना की 16 वीं पुण्य स्मृति पर मानव सेवा को समर्पित एक भव्य एवं वैश्व प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, पूर्व सहकारिता मंत्री आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय, छोटीसादड़ी स्थित उदय निवास परिसर में किया गया। यह शिविर मेवाड़-मालवा क्षेत्र के युवाओं के उत्साह, सामाजिक संगठनों की सक्रियता और जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा।

श्रद्धांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ शिविर का शुभारंभ - हरीश आंजना एजुकेशन



सोसायटी के सचिव डॉ. जगन्नाथ सोलंकी ने बताया कि शिविर का शुभारंभ माल्यार्पण, पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, पूर्व सहकारिता मंत्री आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय, छोटीसादड़ी स्थित उदय निवास परिसर में किया गया। यह शिविर मेवाड़-मालवा क्षेत्र के युवाओं के उत्साह, सामाजिक संगठनों की सक्रियता और जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा।

श्रद्धांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ शिविर का शुभारंभ - हरीश आंजना एजुकेशन



ध्रुव आंजना (केसुंदा), सभी ने स्व. हरीश जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और मानव सेवा के इस अभियान की औपचारिक शुरुआत की।

श्रद्धांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ शिविर का शुभारंभ - हरीश आंजना एजुकेशन



670 यूनिट रक्त संग्रह, युवा शक्ति का अद्भुत प्रदर्शन - शिविर में मेवाड़ व मालवा के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुल 670 यूनिट रक्त संग्रहण कर इस शिविर ने समाज सेवा की नई मिसाल पेश की।

रक्त संग्रहण में सहयोग देने वाली इकाइयाँ - राजकीय सॉविलिया जिला चिकित्सालय,



चिचौड़गढ़ - 101 यूनिट, रेड क्रॉस सोसायटी, नीमच - 175 यूनिट, पेंसिफिक ब्लड बैंक, उमरड़ा - 82 यूनिट, पेंसिफिक ब्लड बैंक, बेदला - 90 यूनिट, जिला चिकित्सालय, प्रतापगढ़ - 107 यूनिट, RNT मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक, उदयपुर - 115 यूनिट। इन सभी स्वास्थ्य संस्थानों की टीमों ने शिविर स्थल पर पहुँचकर सघन रक्त संग्रहण कार्य को सफलतापूर्वक संचालित किया। अनेक जनप्रतिनिधियों एवं संगठनों की उपस्थिति शिविर में क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक-धार्मिक संगठनों,



जानप्रतिनिधियों व समाजसेवी संस्थाओं ने उपस्थिति दर्ज कर आयोजन को सफल बनाया।

चिकित्सकीय टीमों का सराहनीय योगदान - शिविर में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सहयोग दिया। प्रमुख चिकित्सक, डॉ. प्रमोद सिंह (आरएनटी मेडिकल कॉलेज), डॉ. मयंक व लालाराम गायरी (पेंसिफिक उमरड़ा), डॉ. फिरोज हुसैन (पेंसिफिक बेदला), डॉ. दिलीप (प्रतापगढ़), डॉ. रोहित थाकड़ (चिचौड़गढ़), रेड क्रॉस सोसायटी नीमच टीम, जन-जागरण रैली

मानव सेवा का प्रेरणादायी संदेश - इस अवसर पर आंजना परिवारजन, मेवाड़-मालवा के समाजसेवी, सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, राजनीतिक पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

लॉयंस क्लब नीमच को 2719 वाँ नेत्रदान खेड़ी मोहल्ला नीमच सिटी निवासी किलोरिया परिवार से प्राप्त

नीमच (निप्र)। पीड़ित मानवता की सेवा को समर्पित लॉयंस क्लब्स इंटरनेशनल की ईकाई लॉयंस क्लब नीमच द्वारा अश्वत्थ निवारण के लिए जारी नेत्रदान अभियान के तहत दिनांक 24/11/2025, सोमवार को खेड़ी मोहल्ला, नीमच सिटी निवासी निवासी भेरुलाल किलोरिया पिता रव. भंवरलाल किलोरिया के 73 वर्ष की आयु में देवलोकगमन पश्चात् दिलीप जैन, उमेश किलोरिया, उमरावसिंह राठौड़ की प्रेरणा से परिजनों राकेश, प्रकाश, जगदीश, सुरेश रामेश्वर किलोरिया एवं परिवार ने लायंस क्लब नीमच को नेत्रदान सम्पन्न कराए। यह नेत्रदान अब तक का 2719 वाँ एवं इस सत्र का 20 वाँ नेत्रदान है। नेत्र गोमाबाई नेत्रालय के ऑर्थोमेडिस्ट कमलाशंकर नांदा एवं उनके सहयोगी द्वारा उत्सारित कर जरूरतमंदों को निःशुल्क प्रत्यारोपण हेतु गोमाबाई नेत्रालय भेजे गए। नेत्रदान सम्पन्न करवाने

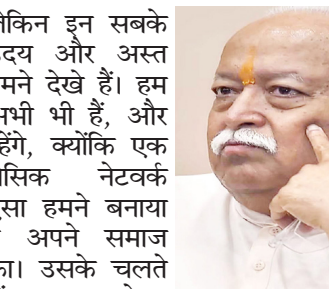


में नेत्रदान संयोजक लायन रिखब गोपावत, लॉयन महेन्द्र भटनगर, लॉयन अशोक रामचंद्रानी, लायन शैलेन्द्र पोरवाल 'शैलू', लायन सौरभ सिंह राठौड़ का सराहनीय सहयोग रहा। नेत्रदान के समय लायन बाबूलाल गोड़ ने हार्दिक आभार प्रकट किया एवं दिवंगत आत्मा को क्लब परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

नेत्रदान दाता समस्त किलोरिया परिवार का क्लब अध्यक्ष लॉयन सुनील शर्मा, सचिव लायन गुरुमुखसिंह छाबड़ा, नेत्रदान संयोजक लायन रिखब गोपावत, नेत्रदान आभार समिति संयोजक लायन बाबूलाल गोड़ ने हार्दिक आभार प्रकट किया एवं दिवंगत आत्मा को क्लब परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

हिंदू नहीं रहा तो दुनिया भी नहीं रहेगी, ये हम नहीं इतिहास बता रहा है - डॉ. भागवत

नई दिल्ली 22 नवम्बर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू और हिंदुत्व पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि हिंदू नहीं रहा तो ये दुनिया भी नहीं रहेगी। ये हमारा इतिहास बता रहा है। मणिपुर की राजधानी इम्फाल में एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि हिंदू समाज दुनिया को चलाने में अहम है। कई आए, चमके और चले गए, मगर हिंदू समाज यहीं है। डॉ. भागवत ने कहा कि हिंदू समाज अमर है। बताया कि भारत ने युनान, मिस्र और रोम जैसे साम्राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, परिस्थिति का विचार सबको करना पड़ता है। परिस्थिति आती है और जाती है। दुनिया में सब देशों पर तरह-तरह की परिस्थिति आयी और गयी। कुछ देश समाप्त हो गये। युनान- मिस्र सब मिट गये। कुछ बात है हस्ती मिटती नहीं हमारी। भारत एक अमर सिविलाइजेशन का नाम है, बाकी सब आये, चमके और चले गये,



लेकिन इन सबके उदय और अस्त हमने देखे हैं। हम अभी भी हैं, और रहेंगे, क्योंकि एक बेसिक नेटवर्क ऐसा हमने बनाया है अपने समाज का। उसके चलते हिंदू समाज रहेगा। हिंदू नहीं रहेगा तो दुनिया नहीं रहेगी, क्योंकि ये धर्म नाम की चीज है, जिसका मैंने उल्लेख किया। समय-समय उसको जीकर दुनिया को देना, ये हिंदू समाज ही करेगा। उसका ये ईश्वर प्रदत्त कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा, 'इतने बड़े-बड़े नक्सलवादियों का दंड़ हो गया, क्योंकि समाज ने तय किया अब बहुत हो गया। अब नहीं सहेंगे। समाज पैसिव नहीं रहा। जो ताकतें इसके विरुद्ध में हो सकती थीं, उनके साथ समाज हो गया। उनका बल बंद गया, इन पर कंट्रोल हो गया, ये प्रक्रिया सतत चलती है। ब्रिटिशों के साम्राज्य में सूर्य अस्त नहीं

होता था। भारत में उनके सूर्य की अस्त की शुरुआत हो गई। 90 साल पहले 1857 से 1947 तक हमने स्वतंत्रता का प्रयास किया। लंबे समय तक हम सब लोग स्वतंत्र होने के लिए लड़ते रहे। वो आवाज दबने कभी नहीं दी। कभी कभी हम हो गई और कभी बड़ गई कमर दबने नहीं दी। इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि मणिपुर में सरकार अवश्य होनी चाहिए और सरकार बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भागवत ने यहां एक संवाद कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्तिके सवाल का जवाब देते हुए कहा, सरकार और पार्टियों के मामलों में मैं बहुत हस्तक्षेप नहीं करता, लेकिन मणिपुर में सरकार आवश्यक होनी चाहिए और मेरी जानकारी के अनुसार, इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्योंकि वह हेल्थ इश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- ▶ आज भागमभाग की ज़िन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहाँ कोई बीमार ना हो, लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- ▶ लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति

जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियाँ आदमी के ऊपर अटक नहीं कर पाएंगी।
▶ हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
▶ डाबर के उत्पाद बाजार में छापे हैं बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलों औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत दवाई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिसक

भी काफी रहती है।

- ▶ आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- ▶ पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अल्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें।
- ▶ खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।

- ▶ यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयाँ काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोविरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।
▶ एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत - सी असाध्य बीमारियाँ ठीक होती हैं।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती हैं। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- ▶ एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- ▶ यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- ▶ नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- ▶ शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बना देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आप दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।
▶ जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते हैं। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
▶ टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों - वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।



हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

▶ स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूल रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।

▶ हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं, जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं।

▶ माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।

▶ वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे-मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
▶ अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फँसते चले जा रहे हैं।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

▶ पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है। ▶ लड़कों को अविवारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है। ▶ महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।



खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बैकलित महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रंगते हुए टैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो?

अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

मालीवयुलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध मिश्रु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.)

मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।



स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- ▶ रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है।
- ▶ हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- ▶ स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ-साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक



बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।
▶ तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों को सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।

- ▶ सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेव रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- ▶ तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर-शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक-युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा।

उपमुख्य मंत्री जगदीश देवड़ा एवं पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री, प्रहलाद पटेल ने मनासा में माधवम हॉस्पिटल का किया भव्य शुभारम्भ

चिकित्सा के क्षेत्र में मरीज परमात्मा के बाद चिकित्सक को ही याद करता है - उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल वीडिओ सन्देश के माध्यम से, मारु परिवार को दी बधाई



मनासा (निप्र)। मनासा नगर व क्षेत्र के मरीजों को बेहतर सुविधा देने व गंभीर बीमारियों के निदान हेतु बेहतरीन आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस मारु परिवार के माधवम हॉस्पिटल का भव्य शुभारम्भ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा व प्रदेश के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद व किसान नेता बंशीलाल गुर्जर, सांसद सुधीर गुता, विधायक ओम प्रकाश सखलचा, दिलीप सिंह परिहार, हरदीप सिंह डंक, चंदर सिंह सिसोदिया, मंदसौर भाजपा

जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, नीमच जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल मंचासिन थे, नवीन हॉस्पिटल के उद्घाटन अवसर पर मुख्य मंत्री डॉ.मोहन यादव ने भी वर्चुअल सन्देश में मारु परिवार को अपनी बधाई देते हुवे नवीन हॉस्पिटल के शुभारंभ अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने हॉस्पिटल के शुभारंभ पर बधाई देते हुवे कहा की मैं इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री के रूप में नहीं वरना मारु परिवार के एक सदस्य के रूप में आया हूँ, अपने उद्घेन में उप मुख्य मंत्री देवड़ा ने

कहा की चिकित्सा के क्षेत्र में मरीज परमात्मा के बाद डॉक्टर को ही याद करता है। एक सफल डॉक्टर व उसके अधीन कार्यरत स्टाफ अपनी बोली और मधुर व्यवहार से मरीज का आधा कष्ट स्वतः ठीक कर देते हैं। मैं डॉक्टर सर्वेश से भी यहाँ चाहूँगा की वे भी अपने कार्य और व्यवहार के दम पर मरीजों का बेहतरीन उपचार करें ताकी इलाज के बाद मरीज आप के व्यवहार की तारीफ अन्य से करें यही आप की सफलता होगी। मनासा क्षेत्र को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाओं से लैस माधवम हॉस्पिटल के रूप में सौगत देने पर मारु परिवार को

बधाई दी। बड़ा मुश्किल है आज के दौर में अपने मूल की तरफ वापस लौटना - वहीं प्रदेश के वरिष्ठ नेता व ग्रामीण विकास पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने भी अपने सार गभित उद्घेन में कहा की जो मूल की तरफ लौटता है वह भूल नहीं सकता है, अगर व्यापारी होगा तो लौटगा नहीं परोपकारी होगा तो जरूर लौटगा। माधव मारु ने भी अपने बच्चे को अच्छे संस्कार दिए जो स्व. रामेश्वर जी मारु के सपनों को साकार करने के लिए अपने मूल की तरफ लौटा है। प्रदेश के किसान नेता व राज्यसभा सांसद

बंशीलाल गुर्जर ने भी अपने संक्षिप्त उद्घेन में डॉक्टर सर्वेश मारु दंपति के निर्णय का स्वागत करते हुवे कहा की, महानगर से निकल कर मनासा नगर जैसे छोटे स्थान पर अपनी चिकित्सा सेवा देने का निर्णय सराहनीय कदम है जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। गुर्जर ने आशा व्यक्त की दोनों डॉक्टर दंपति इस नवीन चिकित्सालय के माध्यम से सेवा कर हर व्यक्ति की पीड़ा को दूर करेंगे। स्वागत भाषण विधायक माधव मारु ने देते हुवे नवीन हॉस्पिटल में उपलब्ध नवीन चिकित्सा उपकरणों की जानकारी देते हुवे बताया की क्षेत्रवासियों

को बेहतरीन सेवा देने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर डॉ.राधिका मारु ने चिकित्सालय की देन को अपने परिवार के पूर्वजों का आशीर्वाद मानते हुवे सुंदर कविता में ढाला। कार्यक्रम का सफल संचालन अजय तिवारी ने किया, वहीं डॉ.सर्वेश मारु ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और नवीन हॉस्पिटल में उपलब्ध चिकित्सा संबंधी सुविधाओं को बतलाते हुवे कहा की हृदय रोग, डिजिटल एक्सरे, टी एम टी मशीन, 24 घंटे ओपिडी सुविधा सहित अन्य आधुनिक

चिकित्सा सुविधाओं का मरीजों को लाभ मिलेगा, हमारा प्रयास यही रहेगा की मनासा एवं आस पास के लोगों को अब इंदौर आदि शहरों में नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपोलो हॉस्पिटल जैसी सुविधाएं यही मिल जाये, अभी 30 बेड का हॉस्पिटल बना है आगामी समय में इसे 100 बेड तक का बनाने का प्रयास होगा। कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत मारु परिवार के प्रधुन मारु, विधायक अनिरुद्ध माधव मारु, राजेंद्र मारु, अभिषेक मारु, रूपेश मारु, ब्रजेश मारु सहित परिवार एवं रिश्तेदारों ने दुपड़ा पहना कर किया।

जीरन ब्लॉक कांग्रेस के तत्वाधान मे SIR अभियान को लेकर जीरन मंडलम की बैठक संपन्न



जीरन (निप्र)। जिला कांग्रेस कमेटी नीमच के निर्देश व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जीरन के तत्वाधान में जीरन मंडलम की SIR को लेकर BLA 2 बैठक संपन्न की गई। जीरन में किलेश्वर महादेव परिसर में सोमवार को हुई BLA बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तरुण बाहेती प्रभारी पूर्व विधायक डॉक्टर संपत स्वरूप जाजू ब्लॉक अध्यक्ष विनोद दक ने अभियान को गति देने हेतु चर्चा एवं अभी तक के कार्यों की समीक्षा करी। बैठक में BLA 2 साधियों ने लक्ष्य आधारित फॉर्म भरने का संकल्प लिया। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा कि SIR का कार्य प्रत्येक कांग्रेस जन के लिए अनिवार्य रूप से संपन्न करने का दायित्व है क्योंकि प्रत्येक पोलिंग बूथ पर आपकी मेहनत के आधार पर आगामी चुनाव में कांग्रेस मजबूती प्राप्त करेगी। पूर्व विधायक एवं प्रभारी डॉक्टर संपत स्वरूप जाजू ने कहा कि आज प्रत्येक कांग्रेस का कार्यकर्ता अपनी जवाबदारी को लेकर गंभीर है उन्होंने पुराने अनुभव

को साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार से कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता है। कार्य महत्वपूर्ण होता है और आज मतदाता सूची का पूर्ण निरीक्षण का जो कार्य है वह निश्चित रूप से जवाबदारी का कार्य है। सभी BLA इस कार्य को जवाबदारी से पूर्ण करें। ब्लॉक अध्यक्ष विनोद दक ने कहा कि आने वाले छोटे-छोटे चुनाव में भी मतदाता सूची का पूर्ण निरीक्षण कार्य बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा इसलिए सभी गंभीरता से के साथ इस कार्य में जुड़ जाए। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष रामकरण संगवारिया, मंडलम अध्यक्ष राकेश मेरावत, मांगीलाल नेता, श्याम सुंदर मेरावत, गोपाल पाटीदार, शांतिलाल राठौर, रमेश पवार, प्रहलाद पाटीदार, मुकेश मेडीवाल, कमलेश अहिरवार दिलीप राठौर, रमेश अहिरवार, जीतू बैरागी सहित सभी बीएलए मौजूद रहे। इस अवसर पर जीरन युवा कांग्रेस पद पर दिलीप राठौर के निर्वाचित होने पर कांग्रेसजन ने स्वागत किया।

ड्रोन सर्वे पर विवाद, 25 परिवारों की जमीन शासकीय घोषित

पटवारी-चौकीदार पर पैसे लेकर रिकॉर्ड बदलने का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

नीमच। गिरदौड़ा गांव के लगभग 25 प्रभावित परिवारों ने मंगलवार दोपहर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राजस्व रिकॉर्ड में बड़े फर्जीवाड़े की गंभीर शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीणों का आरोप है कि मुख्यमंत्री की योजना के तहत कराए गए ड्रोन सर्वे और रिकॉर्ड संधारण में उनकी सालों से काबिज भूमि को शासकीय घोषित कर दिया गया है।

पटवारी-चौकीदार पर रिकॉर्ड बदलने का आरोप - ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पटवारी और ग्राम चौकीदार ने मिलीभगत कर अनियमितताएं की हैं। उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने कथित तौर पर पैसे दिए, उनकी शासकीय या खाली भूमि पर भी पट्टे बना दिए गए।

वहीं, दूसरी ओर, सालों से जिन भूमि पर गरीब ग्रामीणों के पक्के मकान बने हुए हैं, उसे राजस्व रिकॉर्ड में शासकीय भूमि घोषित कर दिया गया है।

प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार का लगाया आरोप - ग्रामीणों का कहना है कि जानबूझकर या लापरवाही से भूमि अभिलेखों, नामांतरण और सीमांकन में त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। इससे भविष्य में उन्हें गंभीर कानूनी विवादों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने इस प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार को वैध अधिकारों का हनन बताया है।

संवेदनशील प्रकरण की



उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग - प्रभावित परिवारों ने कलेक्टर से मांग की है कि इस पूरे संवेदनशील प्रकरण की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की जाए। उन्होंने दोषी पटवारी, चौकीदार और अन्य संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कानूनी और विभागीय कार्रवाई करने, राजस्व

पुस्तक परिपत्र (RBC) के नियमों के तहत कार्यवाही करने की अपील की है।

ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि सभी 25 प्रभावित परिवारों के भूमि अभिलेखों का दोबारा सर्वे कर त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों को तत्काल निरस्त किया जाए और सही रिकॉर्ड दर्ज किया जाए।

GYANODAYA UNIVERSITY & GROUP OF INSTITUTES

ADMISSION ANNOUNCEMENT FOR THE SESSION 2025-26

Pharmacy D.Pharm B.Pharm M.Pharm	Nursing B.Sc. Nursing GNM Nursing Post Basic Nur.	Paramedical BPT BMLT DMLT OT/X-Ray	Management BBA MBA B.Com M.Com
Comp. Science BCA MCA DCA PGDCA	Engineering B.Tech (CSE) B.Tech (Elect.) B.Tech (Mech.) B.Tech (Civil) B.Tech (Fire & Safety)	Polytechnic Electrical Mechanical Civil Comp. Sci.	Agriculture B.Sc.(Ag) Veterinary Diploma in Animal Husbandry
Science B.Sc. (PCMB/Biotech/ Microbio/CS)	Lib. Science B.Lib M.Lib	Art & Humanities BA MA (Hindi/Eng./Psyce/Sociology and mass communication) Political Sci./Eco/Education)	Engineering M.Tech (CSE/ITEM/ Energy Tech)
Social Work BSW MSW	Education B.Ed D.ElEd	Hospital Mgmt MBA in Hospital & Health Care Management	Ph.D All Subjects
Diploma Courses YOGA Diet. & Nutrition			

Highest Package 12.75 Lac
Average Package 4.75 Lac
Placements 11,000+
Alumni 25,000+

For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.)
Call: 98275 50959/ 91797 98821
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayauniversity.org

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **41,990/-**
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु.41,990/-
से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

INTRODUCING **KNIGHT+**

#BuiltToPerform

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866

12th सफर जोश का
के बाद **मंजिल कामयाबी की**

MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टैक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये

सोनी कोचिंग क्लासेस
ISO 9001 : 2008 Certified

22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061